PREMCHAND JAYANTI

'ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार'

-शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था, कोल्हापुर संचलित

विवेकानंद कॉलेज (स्वायत्त), कोल्हापुर

हिंदी विभाग

शैक्षिक वर्ष 2018-2019

दिनांक: 24/07/2018

नोटिस

हिंदी विभाग की ओर से बी. ए. (हिंदी) के सभी छात्रों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 31 जुलाई, 2018 को प्रेमचंद जयंती समारोह का आयोजन किया जा रहा है। सभी छात्र सुबह 11.00 बजे कक्षा क्रमांक-23 में उपस्थित रहें।

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416003

डॉ. आरिफ महात

विभागाध्यक्ष,

हिंदी विभाग, विवेकानंद कॉलेज,

कोल्हापूर.

'ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार'

- शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था, कोल्हापुर संचलित

विवेकानंद कॉलेज (स्वायत्त), कोल्हापुर

हिंदी विभाग

शैक्षिक वर्ष 2018-2019

प्रेमचंद जयंती समारोह

(दि. 31/07/2018, समय : सुबह 11.00 बजे)

- प्रतिमा पूजन :-
- प्रमुख अतिथि का स्वागत:
- प्रस्ताविक :- कु. ऐश्वर्या संजय शहा
- अतिथि का परिचय : श्री शुभम अनिल पोवार
- छात्रों का मनोगत : कु. मानसी आकाराम कांबळे
  श्री ऋषिकेश उत्तम भोसले
- प्रमुख अतिथि का मंतव्य : डॉ. आरिफ महात
  अध्यक्ष, हिंदी विभाग,
  विवेकानंद कॉलेज (स्वायत्त), कोल्हापुर।
- अध्यक्षीय संबोधन : डॉ. दीपक तुपे
  सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग,
  विवेकानंद कॉलेज (स्वायत्त), कोल्हापुर।
- सूत्रसंचालन :- कु. सौरभ सदाशिव मोरे
- आभार :- श्री अजय महेंद्र कांबले
- संयोजक : हिंदी विभाग
- स्थान : कक्षा क्रमांक-23

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964

* विवेकानंद कॉलेज (स्वायत्त), कोल्हापुर के हिंदी विभाग की ओर से दि. 31 जुलाई, 2018 को प्रेमचंद जयंती समारोह में छात्रों को संबोधित करते हुए हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. आरिफ महात। *

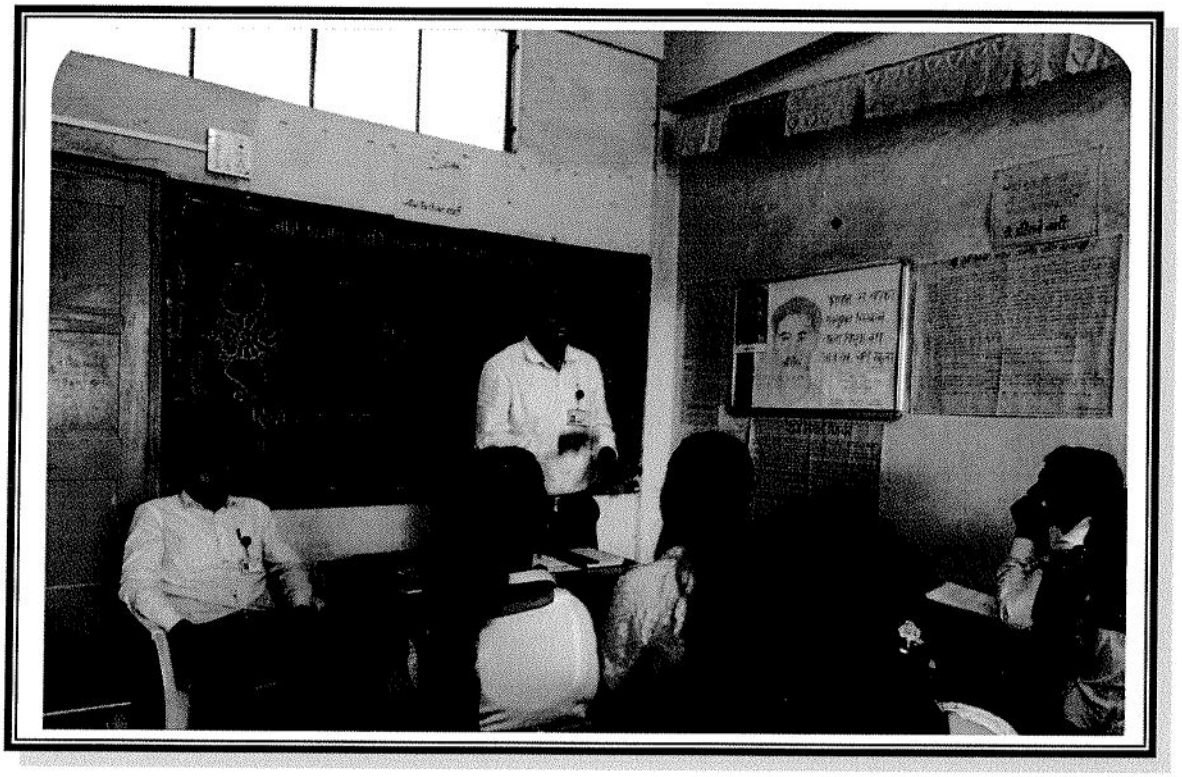

* प्रेमचंद जयंती के उपलक्ष्य में छात्रों को मार्गदर्शन करते हुए हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. दीपक तुपे । *

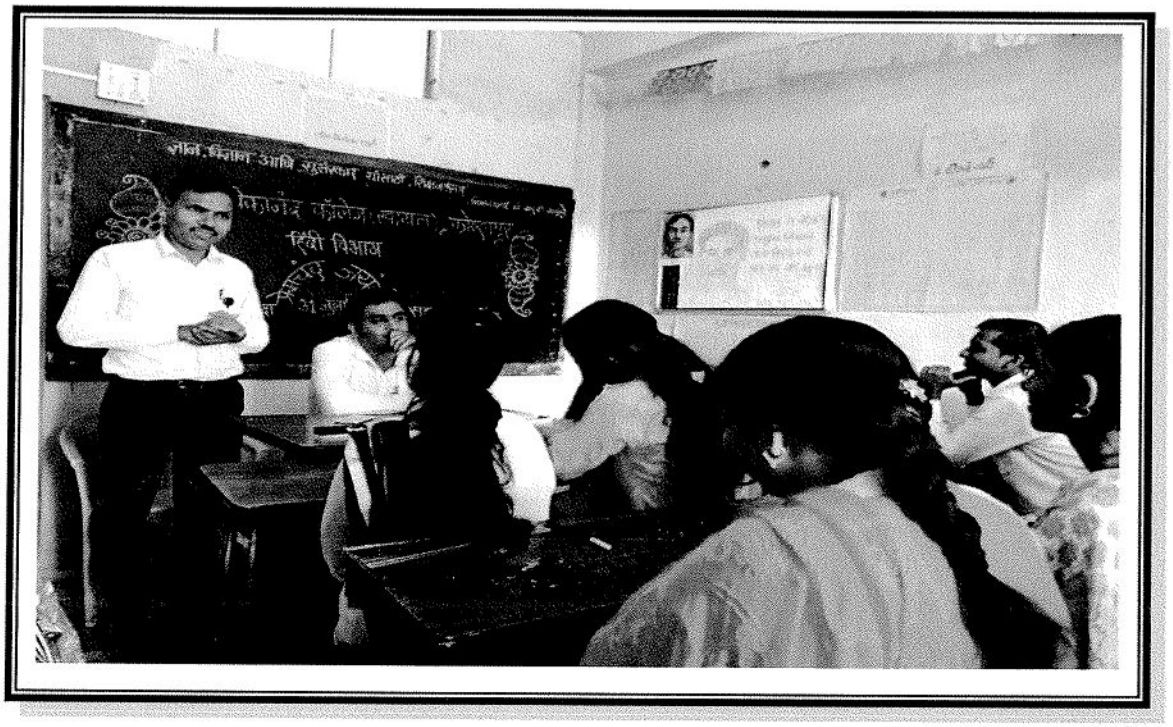

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416 003

'ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार'

- शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था, संचलित

विवेकानंद कॉलेज (स्वायत्त), कोल्हापुर

हिंदी विभाग

शैक्षिक वर्ष 2018-2019

दिनांक: 31/07/2018

प्रेमचंद जयंती समारोह

विवेकानंद कॉलेज (स्वायत्त), कोल्हापुर के हिंदी विभाग की ओर से 31 जुलाई, 2018 को सुबह 11.00 बजे कक्षा क्रमांक-23 में प्रेमचंद जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राएँ।

अनु. क्र.	कक्षा	छात्र का नाम	हस्ताक्षर
1)	B.A. III	कांबळे अजय महेंद्र	[signature]
2)	B.A. III	कांबळे हणमंत परगोंडा	[signature]
3)	B.A. III	काकडे नंदीनी आनंदराव	[signature]
4)	B.A III	शहा ऐश्वर्या संजय	[signature]
5)	B.A. II	करपे राजेश्वरी बबन	R.B. Karape
6)	B.A II	ऋषिकेश उत्तम भोसले	R.U. Bhosale
7)	B.A II	संतोष रामचंद्र कोळी	[signature]
8)	B.A-II	अभिषेक आनंद भोसले	[signature]
9)	B.A. II	अनिकेत मधुकर पाटील	[signature]
10)	B.A-II	शिवतेज आनंदा म्हाकवेकर	[signature]
11)	B.A. III	शुभम अनिल पोवार	[signature]
12)	B.A III	प्रज्ञा रुपेश कुकडे	[signature]
13)	B.A III	पूजा नारायण शेळके	[signature]
14)	B.A III	जयश्री संजय पोवार	[signature]
15)	B.A.I	अमृता कल्याण गोडगे	A.K. Godage
16)	B.A.I	काजल आनंदा जठार	[signature]
17)	B.A-I	विशाखा दत्तात्रय पाटील	[signature]
18)	B.A-I	नेहा रमेश कांबळे	[signature]
19)			

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416 003

'ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार'

-शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था, संचलित

विवेकानंद कॉलेज (स्वायत्त), कोल्हापुर

हिंदी विभाग

शैक्षिक वर्ष 2018-2019

दिनांक: 31/07/2018

प्रेमचंद जयंती समारोह संपन्न

विवेकानंद कॉलेज (स्वायत्त), कोल्हापुर के हिंदी विभाग की ओर से 31 जुलाई, 2018 को सुबह 11.00 बजे बी.ए. भाग तीन की कक्षा क्रमांक-23 में प्रेमचंद जयंती समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम में हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. आरिफ महात प्रमुख अतिथि के बतौर उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. दीपक तुपे ने की। इस बीच, कु. मानसी आकाराम कांबळे तथा श्री ऋषिकेश उत्तम भोसले ने अपने-अपने विचार रखें। डॉ. महात ने कहा कि, प्रेमचंद के साहित्य का जायजा लेते हुए कहा कि प्रेमचंद का साहित्य आज भी प्रासंगिक है। उनका 'गोदान' उपन्यास किसान जीवन की समस्या का जीवंत दस्तावेज है। 'गोदान' में रेखांकित किसान कर्ज की समस्या आज भी प्रासंगिक है। डॉ. तुपे ने कहा कि प्रेमचंद का प्रारंभिक दौर का साहित्य आदर्शवादी था। सन् 1925 ई. के बाद का प्रेमचंद का साहित्य यथार्थवादी दिखाई देता है। प्रेमचंद का साहित्य तत्कालीन वास्तविक जीवन का दस्तावेज है। प्रेमचंद पद-पद पर लांछित-अपमानित नारी जाति के वकील थे। कु. ऐश्वर्या शहा ने प्रस्तावना की। श्री शुभम पोवार ने अतिथि परिचय दिया। कार्यक्रम का आभार श्री अजय कांबळे ने माना। कार्यक्रम में बी.ए. भाग एक, दो और तीन (हिंदी) के छात्र बड़ी संख्या में मौजूद थे। इस कार्यक्रम के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस. वाय. होनगेकर जी का प्रोत्साहन मिला।

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416003